चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-2-23	04	2-3

एचएयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 फरवरी से आयोजन

1350 के करीब वैज्ञानिक एवं शोधार्थी लेंगे हिस्सा

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन किया जाएगा। विवि के वीसी व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में करीब 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। इसमें जलवायु परिवर्तन के लिए प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पोषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा।

बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी

कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जो कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थियों को एक साथ लाएगा। इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए हैं।

इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जोकि अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विवि के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विवि के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10-2-23	04	4-5

एचएयू में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 फरवरी से

माई सिटी रिपोर्टर

इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी लेंगे भाग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे।

इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जो कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ लाएगा।

उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	10-2-23	09	1-3

हिसार आएंगे देश- विदेश के वैज्ञानिक

- एचएयू में 17 से 19 फरवरी तक होगा क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हकृवि में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में करीब 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद कार्यक्रम के मुख्यातिथि होंगे। जिसमें जलवायु परिवर्तन के प्रबंधन, फसल सुधार की आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन व खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी।

डॉ. एस.के पाहुजा ने कहा कि इससे कृषि की चुनौतियों का सामना को देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधाथीयों को एक मंच मिलेगा। विषय व्याख्यान व पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। जिसमें जर्मनी, आस्ट्रेलिया, कनाडा, उज्बेकिस्तान, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे और अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	10-2-23	05	7-8

www.sachkahoon.com
सरसा, शुक्रवार, 10 फरवरी 2023 5

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 से आरम्भ

हिसार (सच कहूं न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के पाहुजा ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जो कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ लाएगा। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के विक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10-2-23	05	6-8

हकृवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 17 से आरम्भ

हिसार, 9 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण ड्क्षसह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलियां, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	10-2-23	07	6-7

एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 17 से शुरू

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 1,350 वैज्ञानिक, शोधार्थी लेंगे भाग

हिसार, 9 फरवरी (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 फरवरी से 3 दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन होगा। जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 1350 वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो बीआर काम्बोज ने बताया कि सम्मेलन के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के लिए प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देने समेत कई विषयों पर मंथन होगा। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-2-23	04	03

हकृवि में 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 17 से

हिसार, 9 फरवरी (ब्यूरो):. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे।

इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.02.2023	-------	-------

हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 फरवरी से आरम्भ

इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी भाग लेंगे

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता

डॉ. एस.के पाहुजा ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जो कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ लाएगा। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	09.02.2023	-------	-------

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 से

1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी भाग लेंगे

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के पाहुजा ने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा ई पेपर	09.02.2023	-------	-------

हकृवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 फरवरी से आरम्भ

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण इक्षसह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17 से 19 फरवरी तक 3 दिवसीय 'क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेंबिलिटी' विषय पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति व सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. बी.आर काम्बोज ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 1350 अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक एवं शोधार्थी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद होंगे। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन हेतु प्रबंधन, फसल सुधार के लिए आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक व प्राकृतिक खेती, फसलों के पौषक तत्वों का प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा और स्थिरता के लिए कृषि व्यवसाओं को बढ़ावा देना इत्यादि विषयों पर मंथन होगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के पाहुजा ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जो कृषि की चुनौतियों का सामना करने के लिए देश विदेश के वैज्ञानिकों, किसानों, उद्योगपतियों और शोधार्थीयों को एक साथ लाएगा। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के विषयों की व्याख्यान और पोस्टर प्रस्तुति के लिए 1350 शोध पत्र स्वीकार किए गए है। इस महासम्मेलन में जर्मनी, आस्ट्रेलिया, उज्जबेकिस्तान, कनाडा, जापान और ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो अपने विषयों पर व्याख्यान व प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के बिक्री उत्पादों और उद्योगों के प्रायोजित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.02.2023	-------	-------

हकृवि के 19 छात्रों का अंतरर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए चयन

विद्यार्थी 60 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए थाईलैंड में तकनीकी नवाचार टू मीट द फ्यूचर चैलेंज ऑफ एग्रीकल्चर एंड सलाइड सेक्टर्स विषय पर अध्ययन करेंगे

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 फरवरी : चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 19 छात्र एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एआईटी), थाईलैंड में 60 दिन प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि के लिए प्रशंसा की और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगिण व अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन पर पूरा ध्यान दे रहा है। इसी के अंतर्गत विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण के लिए भेज रहा है। ताकि वह नई प्रौद्योगिकी व नवीनतम कृषि तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त कर उन्हें अपने शोध व पठन पाठन में शामिल कर सकें। उन्होंने कहा कि हाल ही के वर्षों में विश्वविद्यालय के अनेक विद्यार्थी विश्व के अनेक प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षणिक डिग्री हासिल करने के लिए गए हैं।

प्रशिक्षण का खर्च विश्वविद्यालय की स्कीम आईडीपी के तहत किया जाएगा

प्रोजेक्ट इन्वस्टीगेटर, आईडीपी व अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डॉ. के.डी शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्कीम आईडीपी के तहत विद्यार्थियों के लिए यह निशुल्क रहेगा। जिसका खर्चा विश्वविद्यालय की स्कीम सांस्थानिक विकास योजना (आईडीपी) के तहत किया जाएगा। डॉ. के.डी शर्मा ने बताया कि 1959 से एशियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एक अंतरराष्ट्रीय स्नातकोतर विश्वविद्यालय है, जो इंजीनियरिंग पर्यायवरण और प्रबंधन विषय पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाए हुए है। इस प्रशिक्षण में छात्रों को सतत कृषि विकास के लिए तकनीकी और व्यवहारिक बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए थाईलैंड के एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान के एक्सपर्ट विभिन्न सत्र के माध्यम से छात्रों को बेहतरीन टिप्स देंगे।

इन विद्यार्थियों का चयन हुआ

इन विद्यार्थियों का चयन उनके शैक्षणिक रिकोर्ड, प्रेसनलिटी व लीडरशिप टेस्ट व साक्षात्कार के द्वारा किया गया। चयनित विद्यार्थियों में भव्या संधू, हर्ष, पूजा, कुलजीत, नीतीश कुमार, प्रज्ञा चौधरी, साहिल, प्रतिभा, अजय, ऋषिका राज, आकाश, रश्मि, महक, सतेन्द्र, जतिन, शिल्पा, शीतल रानी, रविन्द्र, कासिन शामिल है।

इस अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-2-23	01	6-7

पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से मौसम बदला

आज छिटपुट बूंदाबांदी के आसार मध्यम से तेज सतही हवाएं चलेंगी

भास्कर न्यूज | हिसार

पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से मौसम परिवर्तनशील हो गया है। शहर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगर अधिकतम तापमान की बात करें तो यह सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक व रात का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।

एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में मौसम आमतौर पर 13 फरवरी तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 10 फरवरी से 12 फरवरी के दौरान राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक बादलवाई रहने की संभावना है। 10 फरवरी को राज्य के उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं बादलवाई तथा एक दो स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी भी संभावित है। हवाओं की दिशा में भी बदलाव होने तथा मध्यम से तेज गति से सतही हवाएं चलने की संभावना है, जिसके प्रभाव से दिन के तापमान में हल्की गिरावट तथा रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी संभावित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-2-23	02	2-3

उत्तरी जिलों में बादलवाई व बूंदाबांदी की संभावना

हिसार, 9 फरवरी (राठी): हरियाणा राज्य में मौसम आमतौर पर 13 फरवरी तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमविक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 10 फरवरी से 12 फरवरी के दौरान राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में आंशिक बादलवाई रहने की संभावना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डा. मदन लाल खिचड़ ने बताया कि 10 फरवरी को राज्य के उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं बादलवाई तथा एक दो स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी होने की संभावना है।

» 13 तक मौसम में रहेगा बदलाव, बालसमंद में दोपहर का पारा 30 डिग्री तक पहुंचा

इस दौरान हवाओं की दिशा में भी बदलाव होने तथा मध्यम से तेज गति से सतही हवाएं चलने की भी संभावना है। जिसके प्रभाव से दिन के तापमान में हल्की गिरावट तथा रात्रि तापमान में हल्की बढ़ौतरी संभावित।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा दर्ज आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में दोपहर के तापमान में बढ़ौतरी हो गई है। प्रदेश में बालसमंद का दोपहर का तापमान 30 डिग्री सैल्सियस सबसे ज्यादा रहा। हिसार का दोपहर का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सैल्सियस ज्यादा 28.5 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। रात्रि तापमान 9.4 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। बढ़ता तापमान गेहूं की फसल के लिए सही नहीं माना जा रहा है। इससे पैदावार पर असर पड़ेगा। बढ़ते तापमान से गेहूं की फसल में बीमारी आने की भी संभावना बनी रहती है।